और संघ राज्यों में लागू की गयी है, उस के कार्य में अभी तक क्या प्रगति हुई है? क्या सरकार उस कार्य से संतुष्ट है और क्या इस नीति को लागू करने में कोई कठिनाई तो नहीं आ रही है?

DR.ANBUMANI RAMDOSS: Sir, this erbal autopsy sample registration has been done by the Registrar General of India. This is a new system whereby in any death there has to be verbal autopsy in the system to know about the cause of death. All these years we have not known what are the causes of death and we find that we know only about 15 per cent of these deaths. We know the reason because they come to these institutions. So we are trying to find out a new method of what are the causes and how we could rectify this as a generalised planning for rthe entire nation. We are doing this and this is doing well. We have not got the report. This is an on-going process and by the end of this year or next year we will be getting the full report of that after that I will be able to answer that.

**107. [The questioner (Shri Gireesh Kumar Sanghi) was absent for answer vide page 39.]*

तापमान में परिवर्तन होने के कारण होने वाला फसलों का नुकसान

*108. **डा॰ कुमकुम राय:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि;

(क) क्या यह सच है कि चालू रबी सीजन के दौरान तापमान में हुए असामान्य बदलावों के कारण तिलहनों, दलहनों तथा सब्जियों की फसलों को 50 फीसदी से भी अधिक का नुकसान हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है; और

(ग) किसानों की क्षतिपूर्ति के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

कृषि मंत्री (श्री शरद पवार): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख) अत्यधिक कम तापमान ने विशेष तौर पर दिस्मबर, 2005 के अन्तिम सप्ताह से जनवरी, 2006 के दूसरे सप्ताह तक कुछ उत्तरी राज्यों में सरसों, चना, अरहर और मटर तथा आलू जैसी कुछ फसलों को प्रभावित किया है। राज्यवार ब्यौरे निम्न प्रकार से हैं :—

राजस्थान सरसों के अनुमानित उत्पादन के लगभग 15.1% (6.78 लाख टन) की क्षति होने की सूचना मिली है।

हरियाणा कम तापमान के कारण राज्य में सरसों के अन्तर्गत 7.0 लाख हैक्टेयर में से लगभग 50% क्षेत्र और चने के अन्तर्गत 1.47 लाख हैक्टेयर में से 30% क्षेत्र के प्रभावित होने की सूचना मिली है।

पंजाब कम तापमान के कारण आलू फसल के अन्तर्गत 50,250 हैक्टेयर क्षेत्र के तापमान से प्रभावित होने की सूचना मिली है।

मध्य प्रदेश विभिन्न दलहन और अन्य फसलों के अन्तर्गत 7840 हैक्टेयर क्षेत्र कम तापमान के कारण प्रभावित हुआ है।

तथापि, इस समय जबकि फसलों की कटाई अभी की जानी है, इन फसलों के कारण हुई वास्तविक हानि का मूल्यांकन अनन्तिम (टेनटेटिव) है।

(ग) तापमान परिवर्तन के कारण हुई फसल हानि को प्राकृतिक आपदा के रूप में स्वीकार नहीं माना जाता और आपदा राहत कोष के अन्तर्गत क्षतिपूर्ति के योग्य नहीं माना जाता। तथापि, राष्ट्रीय कृषि बीमा स्कीम (एनएआईएस) रबी 1999-2000 से राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश सहित 23 राज्यों और 2 संघ शासित क्षेत्रों में कार्यान्वयनाधीन है। इस स्कीम के अन्तर्गत बीमित किसानों को गैर निवारणीय जोखिमों के कारण जिनमें तापमान में असामान्य भिन्नताएं शामिल है, उत्पाद हानि के मामले में क्षतिपूर्ति उपलब्ध कराई जाती है।

Crop loss due to variation in temperature

†*108. SHRIMATI KUM KUM RAI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that due to abnormal variation in temperature experienced during the current 'Rabi' season, the crops like oilseeds, pulses and vegetables have suffered a loss of more than 50 per cent;

(b) if so, the details thereof, State-wise; and

(c) the steps being taken by Government to compensate the farmers?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI SHARAD PAWAR): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of House.

(a) and (b) Very low temperature especially from last week of December 2005 to 2nd week of January, 2006 has affected some crops such as mustard, gram, pigeonpea and pea and potato in some Northeren States. The State-wise details are as under:—

Statements

- **Rajasthan**: About 15.1% (6.783 lakh tonnes) losses to the estimated production of mustard crop is reported.

† Original notice of the question was received in Hindi.

- **Haryana**: about 50% area out of 7.0 lakh ha. under mustard and 30% area out of 1.47 lakh ha. under gram in the State is reported to have been affected by the low temperature.
- **Punjab**: An area of 50,250 ha. under potato crop is reported to have been affected by low temperature.
- **Madhya Pradesh**: An area of 7,840 ha. under different pulses and other crops has been affected due to low temperature.

However, at this point of time, when crops are yet to be harvested, assessment of actual loss caused to these crops are tentative.

(c) Crop damage due to temperature variations is not treated as a natural calamity and does not qualify for compensation under Calamity Relief Fund. However, the National Agricultural Insurance Scheme (NAIS) is under implementation in 23 States and 2 UTs including Rajasthan, Haryana and Madhya Pradesh, since rabi 1999-2000. Under the scheme, compensation is provided to insured farmers in case of yield loss due to non-preventable risks including abnormal variations in temperature.

डा॰ कुमकुम राय: सर, चालू रबी सीजन के दौरान तापमान में हुए असामान्य बदलाव के चलते सरसों और कुछ सब्जियों की फसलों में 10 से 50 फीसदी नुकसान हुआ है। सर, 2 से 9 जनवरी के बीच पश्चिमी क्षेत्र से चालू हुई कड़ी ठंड का असर दल्हन, सरसों, आलू, टमाटर, अरंडी जैसी सब्जियों आदि पर पड़ा है। तापमान सामान्य से 5 डिग्री कम होने के कारण इसे फसलों को नुकसान देने वाली ठंड के रूप में शुमार किया जाता है। मान्यवर, 2 जनवरी को यह शुरूआत पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर इलाके से हुई थी और कुछ स्थानों पर सामान्य डिग्री से 9 डिग्री से भी नीचे तापमान चला गया है। हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी यही स्थिति रही है। यदि मौसम पूर्वानुमान से यह जानकारी किसानों को मिल जाती, तो वे उसी हिसाब से अपनी फसलों का चयन करते। मैं मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि क्या मौसम की भविष्यवाणी करने का तंत्र कृषि विभाग के पास नहीं है और यदि नहीं है तो फिर इसको राज्य और जिला-पंचायत स्तर पर लागू करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

श्री शरद पवार: सर, मीटियारालॉजिकल डिपार्टमेंट के माध्यम से मौसम की स्थिति का अंदाजा हर दिन पूरे देश में दिया जाता है। यह बात सच है कि इस साल एक ऐसा स्पेल आ गया कि जिससे नॉदर्न इंडिया में टेम्परेचर बहुत नीचे आ गया और जिसका कई फसलों पर बुरा असर हुआ। आज की स्थिति ऐसी है कि जहां, खास तौर पर पंजाब और हरियाणा में गेहूं के लिए

थोड़ी-बहुत कोल्ड की आवश्यकता थी, तब आज वहां टेम्परेचर ऊपर गया, जिसका बुरा असर शायद गेहूं पर भी हो सकता है। यह स्थिति कभी-कभी आती है। इसके बारे में मार्गदर्शन करने का काम टेलीविज़न और ऑल इंडिया रेडियो के माध्यम से हमेशा होता है। इस बारे में हर क्षेत्र में और हर राज्य में क्या-क्या कदम उठाने की आवश्यकता है, इसकी सलाह किसानों को बराबर दी जाती है।

डा॰ कुमकुम राय: सर, मंत्री जी ने अपने जवाब में कहा कि मौसम में आए असमान बदलाव को प्राकृतिक आपदा में शामिल नहीं किया जाता है। सर, जो छोटे-छोटे सब्जी-उत्पादक किसान हैं, वे कृषि-बीमा नहीं कराते हैं। मौसम में जो असामान्य बदलाव आता है, वह भी प्राकृतिक ही है। क्या छोटे-छोटे किसान, जो कृषि-बीमा नहीं कराते हैं, इनको राहत देने का कोई और दूसरा उपाय सोचा गया है या ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम में जो इस प्रकार के बदलाव आने लगे हैं, जिसका फसल पर नुकसान होने का अंदेशा हमेशा रहता है। ...(व्यवधान)... तो क्या इस बदलाव को भी प्राकृतिक आपदा में शामिल किया जाएगा?

श्री शरद पवार: अभी तो ऐसा सुझाव सेन्ट्रल गर्वनमेंट के पास नहीं है।

श्री सभापति: नेक्स्ट क्वैश्चन।

Damage to crops in Punjab

*109. SHRI VARINDER SINGH BAJWA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are aware that due to severe cold this season, potato and some other crops have been badly damaged in Punjab;

(b) whether any report from the State Government has been received in this connection;

(c) if so, the details thereof; and

(d) the compensation proposed to be given to the affected farmers?

THE MINISTER OF AGRICULTURE (SHRI SHARAD PAWAR): (a) to (d) There has been damage to crops, especially, potato in Punjab and Uttar Pradesh due to severe cold, this season. Out of the total area of 75,000 hectares under potato crop, about 50,250 hectares are reported to have been adversely affected. No proposal has yet been received from Government of Punjab or Uttar Pradesh for compensation to the farmers.